SHRI HANSRAJ BHARDWAJ: Who ar$_e$ you to apologise for him? *(Interruptions).*

SHRI ERA SEZHIYAN; Apart from whatever has happened, I do not know how far interruptions, attempts to haul down a Member and loudness where logic fails are going to be parliamentary or how far they are going to help this thing. I am not blaming anybody. We all belong to the same House. Whatever is being done heie the blame is going to come to me when I go to the public. . .*(Interruptions).*

श्रीमती सरोज खापर्डे : कभी इस तरह की हरकत नहीं हुई है । (**व्यवधान**)

SHRI ERA SEZHIYAN: All right, Madam, I apologise for everything. I apologise for whatever has been said on this side and also whatever has been said that side. For everything. . *IInterruptions).*

SHRI J. K. JAIN: You condemn , him for what he has done today.

श्री रामेश्वर सिंह (**उत्तर प्रदेश**) : मेरा इस पर एक निवेदन है । आप सुन लें । (**व्यवधान**) मैं बहुत दुख के साथ कहना चाहता हूं कि इस हाउस की यह परंपरा रही है (**व्यवधान**) गालियां देना बुरी बात है और हमेशा मैंने खेद प्रकट किया है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us go to the next item—Mr. Bhattacharya. *(Interruptions).* The Leader of the House has explained everything: There is nothing left now.. . *(Interruptions)*

श्री रामेश्वर सिंह : मुझ से अगर ऐसा हुआ है तो मैंने खेद प्रकट किया है । सत्यपाल मलिक ने भावावेश में कुछ कह दिया है तो उसके लिये मैं भी क्षमा चाहता हूं । लेकिन सवाल इस बात का है कि क्या सत्तापक्ष जो अपना रुख दिखा रहा है, हम भी सत्तापक्ष में रहे हैं और आप अपोजिशन में रहे हैं (**व्यवधान**)

श्री हंसराज भारद्वाज : हम लोगों को जो 1977–80 में तकलीफ हुई थी हम जानते हैं । आप हमारे घावों पर नमक मत छिड़किये । (**व्यवधान**) हम आपको फांसी पर लटका सकते थे । परन्तु नहीं . . . (**व्यवधान**)

REFERENCE TO THE REPORTED DROUGHT CONDITIONS IN EASTERN U.P.

SHRI G. C. BHATTACHARYA (Uttar Pradesh): Mr. Deputy Chairman, Sir, I want to bring to the notice of the Government, through you, that there is acute drought situation prevailing in the eastern parts of Uttar Pradesh due to the total failure of monsoon. Sir, you know that eastern U.P. is very poor and a backward region of this country and the peasantry there with great difficulty could collect some seed and plough their fields. If you just happen to travel that side, you will see that due to lack of rain their entire crop has been totally destroyed. (Interruptions).

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : रामेश्वर सिंह जी आप हंस रहे है . . . (व्यवधान)

श्री उपसभापति : आप इनको बोलने दीजिए । (व्यवधान)

श्री सैयद सिब्ते रजी (**उत्तर प्रदेश**) : डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं आपको यह अर्ज करना चाहूंगा कि नेता सदन के कहने के बावजूद अभी तक विरोधीपक्ष के लोग, खासतौर से हमारे लोकदल के सदस्यों पर कोई असर नहीं हुआ है । हम अपने तमाम जज्बातों को दबा कर बैठे हुए हैं । अगर इन्होंने सीरियसनैस नहीं दिखाई और जो बदतमीजी यहां पर की गई उसके लिये खेद प्रकट नहीं किया, क्षमा नहीं मांगी तो हम इस मामले को बहुत सीरियसली लेंगे

मैं यह कहता हूं कि अगले सत्र के अंदर, क्योंकि आज आखिरीदिन है और हम नेता की बात मानते हैं इसलिये आज तक नहीं कहते, लेकिन अगर व्यवहार ऐसा ही बना रहा तो हम इस बात की चुनौती देते हैं कि अगले सत्र में हम लोक दल के किसी सदस्य को बोलने नहीं देंगे । (**व्यवधान**)

श्री अब्दुल रहमान शेख (उत्तर प्रदेश) : हम आपकी धमकी की परवाह नहीं करते हैं । (**व्यवधान**)

श्री सैयद सिब्ते रजी : ठीक है, देख लेंगे । (**व्यवधान**) मैं मानता हूं भावावेश में मलिक ने कोई हरकत कर दी है लेकिन उसके बाद इनका खुश होना, हंसना ठीक नहीं था । सत्ता पक्ष, हम लोग इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे (**व्यवधान**) इनको यह मालूम होना चाहिये कि बदतमीजी करने का क्या परिणाम होता है । अगर यह बदतमीजी करेंगे तो हम इनसे ज्यादा बदतमीजी कर सकते हैं । लेकिन हमारी पार्टी, हमारे असूल और हमारे नेता इस बात के लिये हमें इजाजत नहीं देते । (**व्यवधान**)

श्री जे० के० जैन : (मध्य प्रदेश) : हम लोकदल के सदस्यों को* (**व्यवधान**)

श्री सैयद सिब्ते रजी : इस सदन में हर सदस्य की इज्जत आपके हाथ में है । अगर आप सुरक्षा नहीं कर सकते तो... (**व्यवधान**)

श्री जे० के० जैन : हम लोगों को आपसे बड़ी उम्मीद थी कि आप इस प्रकार के व्यवहार करने वाले श्री मलिक को प्रताड़ना देंगे । क्योंकि आपने उनको प्रताड़ना नहीं दी इसलिये मैं प्रस्ताव रखता हूं कि अगले सत्र में संसद सदस्य सत्यपाल मलिक को इस सदन में रहने की इजाजत न दी जाए । यह मेरा प्रस्ताव है । (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : शायद आपने नहीं सुना होगा । (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : (उत्तर प्रदेश) : मैं अपील करना चाहता हूं.... (**व्यवधान**)

श्री जे० के० जैन : उन्होंने माफी नहीं मांगी है (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन्, मैं अपने सहयोगी श्री सत्यपाल जी से अपील करना चाहता हूं कि जोश में उनके मुंह से कुछ शब्द निकल गये... (**व्यवधान**) । श्रीमन, मैं श्री सत्यपाल मलिक से अपील करता हूं और मुझे आशा है कि वे मेरी अपील को स्वीकार करेंगे कि जो कुछ उन्होंने कहा या जोश में कह गये और जो सदन में आपत्तिजनक है उसके लिए वे खेद व्यक्त करेंगे (**व्यवधान**) ।

श्री उपसभापति : आप पहले उनको सुनिये तो सही ।

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, : पहले ही खेद व्यक्त कर चुका हूं कि मैं नेता सदन की इस बात से सहमत हूं कि मैं किसी का अपमान नहीं करना चाहता था और न ही सदन की अवमानना करना चाहता था । जो बहुत संसदीय अवमानना की बात है, ब्रिटेन की पार्लियामेंट में डेवलिन ने होम मिनिस्टर को चांटा मारा था । लेकिन इसके बावजूद अगर सदन के नेता और सदन यह समझता है तो मुझ को दस बार भी खेद व्यक्त करना पड़े तो मैं उसके लिए

*Expunged as ordered by the Chair.

[श्री सत्यपाल मलिक]

तैयार हूं। मुझे इसमें कोई शर्मिन्दगी नहीं है. . . (व्यवधान)।

श्री जे० के० जैन : श्रीमन्, वे कहते हैं कि सदन के नेता की दृष्टि से . . . (व्यवधान)।

श्रीमती मोनिका दास : (कर्णाटक) खेद का मतलब क्या होता है ? मांफी मांगनी पड़ेगा. . . (व्यवधान)।

श्री उपसभापति : आप पहले उनकी बात सुन लीजिये। मुश्किल यह है कि ज्यों ही वे बोलने के लिए खड़े होते हैं, आप खड़ी हो जाती हैं।

कुमारी सरोज खापर्डे : उनको मांफी मांगनी चाहिए. . . (व्यवधान)।

श्री उपसभापति : आप उनको सुनिये तो सही। वे खेद व्यक्त कर रहे है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि वे जो बात कहना चाहते हैं उनको पहले कहने दीजिये। आप चार-पांच मिनट तक उनको बोलने दीजिये (व्यवधान)। आप फिर खड़ी हो गई (व्यवधान)। आप बोलना चाहती हैं तो बोलिये।

श्री रामेश्वर सिंह : (उत्तर प्रदेश) : आप दो बार उनको कह चुके हैं, लेकिन फिर भी वे बोलती जा रही हैं। उन्होंने खेद व्यक्त कर दिया है और अपनी भावनाओं को व्यक्त कर दिया है।

SHRI HANSRAJ BHARDWAJ (Utiar Pradesh): Sir, it is very wellknown; we are not very eager... *(Interruptions)...* to have an apology irom him at all. But kindly bear in mind; everybody in the country knows that they believe in nothing else except violence... *(Interruptions)*

Let the people know how they are behaving inside the -House... *(Interruptions-*

This is their Parliamentary behaviour. Let the people of the country-know about it.. .

श्री जे० के० जैन : आप पढ़े-लिखे आदमी हैं, इस प्रकार की बातें करते हैं। आप पर सब विद्यार्थी. . . (व्यवधान)।

श्री उपसभापति : इस तरह से आप काम आगे भी चलने देंगे या नहीं मुझे अफसोस है कि आप चिल्लाते जा रहे हैं और उनको बोलने के लिए एक बार भी मौका नहीं दे रहे हैं। हर आदमी खड़ा हो जाता है. . . (व्यवधान)।

11 P.M. ITow, please don't record anybody. It is very sad. I am very sorry. I think, the hon. Members ... *(Interruptions)*. Phase Hon Members should please exercise restraint. You should not get agitated. Really, whatever has happened is very sad indeed and it is very unbecoming of hon. Members of Parliament to do like this. I hope, the Leaders of all Parties will impress upon their colleagues the need for observing certain standards and take remedial measures so that there will be order in the House and the dignity and the decorum of the House can be maintained. The Leader of the House has already made an appeal. I think, we should bear this in mind and let us proceed with the Business.

SHRI J. K. JAIN: You should also reprimand him.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That I have said already.

(Interruptions)

Mr. Bhattacharya to continue his Speeial Mention.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): Sir, I would like to make a submission before Mr. Bhattacharya makes his Special Mention. I would appeal to the hon. Members. Please do not get agitated. We have some procedures in the Parliaments™ cue.

em. If we want to get this thing re-*• ssetf, it will follow in the normal jurse. But let the Business be transited. For God's sake, please do not iose your temper and do not rush r n seat to seat. Let the Business K over. Mr. Bhattacharya was in midst of making his observations. Ie was on his legs. Let him com-lete his observations.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. ;hattacharya please.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: iir, because the people in Eastern 'J.P. are so poor; they have no sustaining power, even if one crop is destroyed. I take advantage of the presence of the Finance Minister here and would appeal to him that he should rush help, as much help as possible to relieve the sufferings of the poor people of Eastern U.P. Otherwise, Sir, most of them will suffer starvation; in fact, many of them have already started suffering starvation.

(Interruptions}.

श्री उपसभापति : आज सदन का अंतिम दिन है, सारी कार्यवाही पूरी हो गई और मुझे आशा है कि इस सदन के माननीय सदस्य जब दुबारा लौटकर आयेंगे तो कृपा करके सदन की परम्पराओं का ध्यान रखेंगे और इस प्रकार से व्यवहार करेंगे जिससे सुचारू रूप से सदन चल सके और इस तरह की अव्यवस्था न पैदा हों ।

सदन की कार्यवाही अनियत तिथि के लिये स्थगित की जाती है ।

The House then adjourned *sine die* at four minutes past eleven of the clocks.

\ GMIPN.D—L-365RS—26-11-83—570